शहडोल/ उमरिया/ सिंगरौली

कनपटी में पिस्टल लगाई और बेटों बहू के सामने खुद को उड़ा दिया

शहडोल, देशबन्धु। एक अधेड़ ने अपने बेटों और पत्नी के सामने खुद की कनपटी में देसी पिस्टल लगाई और गोली मारकर खुदखुशी कर ली। बताया जा रहा है कि दोनों बेटों के घर में नहीं रहने पर वह पत्नी को बेवजह परेशान करता था, जिससे बेटे अपनी मां को साथ ले जा रहे थे, लेकिन पिता को यह बात नागवारा गुजरी और उसने खुद को गोली मारकर खुदखुशी कर ली। अब सवाल यह उठ रहा है कि इस अधेड़ के पास देसी पिस्टल आई कहां से। घटना केशवाही चौकी के ग्राम टेंघा की है।

घटना के संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम टेंघा निवासी भवानी शंकर पयासी उम्र लगभग 50 वर्ष अपनी पत्नी को बेवजह परेशान किया करता था। छोटी-छोटी बातों को लेकर वह पत्नी के साथ मारपीट भी करता था, जिससे आहत होकर पत्नी ने फोन पर अपने बेटों को आपबीती बताई। इसके बाद दोनों बेटे घर आए और शनिवार को दोनों मां को अपने साथ लेकर जाने लगे।

इस बीच पति भवानी शंकर ने पत्नी को बेटों के साथ जाने के लिए मना किया, लेकिन उसकी किसी ने एक न सुनी। इसी बात से नाराज भवानी शंकर घर के अंदर रखी देसी पिस्टल ले आया और उसे कनपटी में अड़ाकर उसका ट्रिगर दबा दिया जिससे उसकी मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस, फिंगर एक्सपर्ट और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पाली के करकटी में मिला बाघ का शव

मौत के कारणों की जांच जारी, वन विभाग की टीम ने की घेराबंदी

उमरिया, देशबन्धु। जिले के सामान्य वन मंडल के पाली परिक्षेत्र के करकटी इलाके में शनिवार को एक बाघ का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया। यह शव बेली सर्किल के करकटी बीट के राजस्व क्षेत्र में मिला। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचे और क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। मृत बाघ के पास एक अन्य बाघ के पगमार्क भी देखे गए, जिससे आशंका जताई जा रही है कि दोनों के बीच संघर्ष हुआ होगा। हालांकि, बाघ की मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। वन विभाग ने तत्काल डॉक्टरों की एक टीम को बुलाया, जो बाघ के शव का पोस्टमॉर्टम कर रही है। इसके साथ ही, फॉरेंसिक जांच भी कराई जा रही है ताकि शिकार या जहर दिए जाने की संभावना को खारिज किया जा सके। वन अधिकारियों के अनुसार, घटना के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा रही है।

बाघों की रहस्यमयी मौतें वन्यजीव संरक्षण के लिए गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। उमरिया जिला, जो बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के नजदीक स्थित है, बाघों की आबादी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है। ऐसे में इस घटना ने वन विभाग को सतर्क कर दिया है।

वन विभाग ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि यदि उन्हें आसपास के क्षेत्रों में कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत अधिकारियों को सूचित करें। फिलहाल, वन विभाग और डॉक्टरों की टीम मिलकर बाघ की मौत की गुत्थी सुलझाने में जुटी है। इस संबंध में अनुविभागीय वन अधिकारी दिगेंद्र सिंह ने बताया कि वह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर मौजूद हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया है, और आगे की जांच जारी है।

सार-समाचार

भ्रष्टाचार के दोषी पटवारी को पांच साल का कठोर कारावास एवं जुर्माना

पन्ना, देशबन्धु। रिश्वतखोर पटवारी को पांच साल की सजा सुनाई गई है। प्रकरण संक्षेप में इस प्रकार है कि दिनांक 17 जनवरी, 2022 को आवेदक लड्डू सिंह राठौर पिता गोवर्धन सिंह राठौर उम्र 48 वर्ष निवासी ग्राम खमतरा तहसील शाहनगर जिला पन्ना ने अनावेदक मनोज कुमार शुक्ला पटवारी ग्राम खमतरा हल्का 6 तह0 शाहनगर जिला पन्ना के विरूद्ध रिश्वत मांगने संबंधी एक लिखित शिकायत पत्र मय दस्तावेजो के पुलिस अधीक्षक महोदय लोकायुक्त कार्यालय सागर के समक्ष प्रस्तुत किया था।

उसके अनुसार, मैंने खमतरा में आराजी नं0 651/2 कुल रकवा 0.07 हेक्टर भूमि वर्ष 2010 में खरीदी थी जिसका सीमांकन 23.07.2021 को हुआ है। मैं मेरी उसी जमीन पर मकान बनाना चाहता हूँ। उस पर मेरा पडोसी मिजाजी लाल ने आपत्ति दर्ज करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया है कि इनकी भूमि का सीमांकन नही हुआ है जबकि मेरी भूमि का सीमांकन 23.07.2021 को हो चुका है एवं मेरे पडोसी मिजाजी लाल राय जिसका आरजी नं0 652, 653, 654, 655 व 656 है का भी सीमांकन 17.11.2020 को हो चुका है। दिनांक 12 जनवरी, 2021 को दिया है जिसको तहसीलदार द्वारा पटवारी मनोज शुक्ला को मार्क कर दे दिया है। पटवारी मकान बनाने में मिजाजी लाल द्वारा लगाई गई आपत्ति हटवाने के एवज में पांच हजार रू रिश्वत की मांग कर रहा है। मैं रिश्वत नही देना चाहता हूं बल्कि रिश्वत लेते हुए पकडवाना चाहता हूँ। कृपया कार्यवाही करने की कृपा करे।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत शिकायत पत्र के सत्यापन हेतु आवेदक को एक डिजीटल वॉयस रिकार्डर देकर अनावेदक की रिश्वत माँग संबंधी वार्ता को रिकार्ड करने के लिए निर्देशित किया गया। आवेदक ने दिनांक 18 जनवरी, 2022 को अनावेदक से उसके आवास शाहनगर में संपर्क कर रिश्वत मांग संबंधी बातचीत कार्यालय से प्रदाय किये गये वॉयस रिकार्डर में रिकार्ड कर ली। बातचीत के दौरान अनावेदक द्वारा आवेदक से पांच सौ रूपये तुरंत ले लिये है और बाकी तीन हजार रूपये दिनांक 20 जनवरी 2022 तक लाने को कहा है। फरियादी द्वारा प्रेषित आवेदन पत्रो एवं ट्रांसस्क्रिप्ट से अनावेदक मनोज कुमार शुक्ला, पटवारी द्वारा प्रथम दृष्ट्या अपराध धारा 7 पीसी एक्ट का पाए जाने पर अनावेदक मनोज कुमार शुक्ला, पटवारी के विरुद्ध धारा 7 पी.सी. एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

सम्पूर्ण अनुसंधान उपरांत अभियुक्त के विरूद्ध अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इंद्रजीत रघुवंशी विशेष न्यायाधीश के न्यायालय मे शासन की ओर से पैरवी करते हुए श्री संदीप कुमार पांडेय, जिला लोक अभियोजन अधिकारी द्वारा दौरान विचारण अभियोजन के साक्ष्य को क्रमबद्ध तरीके से लिपिबद्ध कराकर न्यायालय के समक्ष आरोपी के विरूद्ध आरोप को संदेह से परे प्रमाणित किया तथा आरोपी का कृत्य गंभीरतम होने के कारण उन्हे कठोर से कठोरतम सजा दिये जाने का अनुरोध किया। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्कों एवं न्यायिक दृष्टांतो से संतुष्ट होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी- मनोज कुमार शुक्ला को क्रमशः धारा- 7 एवं 13(1)बी सहपठित धारा 13(2) भ्रष्टचार निवारण अधिनियम के आरोप में क्रमशः 04 वर्ष , 05 वर्ष का कठोर कारावास एवं 5000/-रूपये, 5000/-रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

अधिकारों की लड़ाई की लड़ाई लेकर आदिवासियों ने सौंपा ज्ञापन

ब्यौहारी, देशबन्धु। शहडोल जिले के ब्यौहारी तहसील में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों द्वारा मुख्यमंत्री के नाम तहसील कार्यालय में ज्ञापन दिए एवं आगामी रणनीति को लेकर 2 बजे रेस्टहाउस में बैठक की गई। ज्ञापन कार्यक्रम में मान सिंह कोल, अजय सिंह पेंड्रों 'मोनू' कमलभान सिंह, लालू कोल, प्यारेलाल कोल, राजेंद्र परस्ते, शंभू सिंह सहित तीन सौ लोग उपस्थित हुए। ज्ञापन में हॉस्पिटल में चिकित्सा व्यवस्था, ग्रामीण विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था सुधारने, पपौंध क्षेत्र के विस्थापित परिवारों के लिए शिक्षा स्वास्थ्य रोटी रोजगार की मांग की गई। एमपीआरडीसी कि ठेकेदार की लापरवाही पर कार्यवाही की मांग, गांव के गरीब, किसान, मजदूर जमीन संबंधित कार्यों के लिए 6 महीने साल भर तहसील का चक्कर काटते हैं इस पर सुधार किया जाए। शहर में रहने वाले गरीब तबके के लोगों को आवासीय पट्टे दिए जाने चाहिए आजादी के 75 साल बाद भी लोगों के पास पक्की छत नहीं है। बहुत सारे लोगों की जमीनों परभूमाफिया द्वारा कब्जा किया जा रहा है उसको रोका जाए वरना उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में गौरों की नई शुरुआत सतपुड़ा से 25-30 गौर होंगे

बांधवगढ़ टाइगर,देशबन्धु। रिजर्व में गौरों की नई आबादी को बसाने की कवायद शुरू हो गई है। बायसन प्रोजेक्ट-2 के तहत 20 से 27 फरवरी के बीच सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से 25-30 गौरों को यहां लाया जाएगा। 22 फरवरी तक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 12 गौर लाए जा चुके हैं।

मारपीट के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पटवारी संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नौरोजाबाद, देशबन्धु। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष सतेंद्र सिंह के नेतृत्व में समस्त पटवारियों ने करकेली तहसील अंतर्गत ग्राम बेलसरा मे पदस्थ पटवारी शिवम वर्मा के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौपकर जल्द ही घटना कारित करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की गई है।

जानकारी के अनुसार जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार दिनांक 16/2/2025 को ग्राम बेलसरा मे पदस्थ पटवारी शिवम वर्मा ग्राम रहठा के सीएससी सेंटर मे अपने हल्के के किसानों का आधार ई के वाईसी व फार्मर रजिस्ट्री का कार्य कर रहे थे।

उसी समय ग्राम बेलसरा निवासी विनोद सिंह पटवारी का कालर पकड़कर बोला की आज रविवार है आज तुम यहाँ कैसे काम रहे हो, तुम किसानों से ओटीपी लेकर धोखाधडी कर रहे है साथ ही विनोद सिंह के द्वारा अपने साथियों के साथ पटवारी शिवम वर्मा के साथ गाली ग़लौज कर उन्हें जबरदस्ती अपने बाईक बैठाकर अन्यत्र ले जाने का प्रयास कर रहे थे, तभी कुछ लोगो के द्वारा बीच बचाव कर आरोपीयो के कब्जे छुड़ाया गया, इस घटना की शिकायत पटवारी शिवम वर्मा के द्वारा नौरोजाबाद थाने में भी की गई है अब सबसे बडा सवाल यह उठता है की फिल्ड के जो कर्मचारी शासन के द्वारा दिए गए लक्ष्य को लेकर दिन रात फिल्ड में जाकर कार्य करते है और प्रयास करते है की सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीणों को मिले, लेकिन कार्य करने के दौरान ऐसी घटना होती रहेगी, तो यें कर्मचारी फिल्ड जाकर कैसे अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर पाएंगे।

नेशनल लोक अदालत की तैयारियां जारी

बालाघाट, देशबन्धु। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीष व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट श्री प्राणेष कुमार प्राण के मार्गदर्शन में 08 मार्च शनिवार को वर्ष की पहली नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला न्यायालय एवं सिविल न्यायालयों को मिलाकर कुल 25 खंडपीठो का गठन किया गया है। जिसमे जिला न्यायालय बालाघाट में 12 खंडपीठ, सिविल न्यायालय बैहर के लिए 03 खण्डपीठए सिविल न्यायालय कंटगी के लिए 02 खंडपीठए सिविल न्यायालय लांजी के लिए 01 खंडपीठ तथा सिविल न्यायालय वारासिवनी के लिए 07 खंडपीठों का गठन किया गया है। इस प्रकार संपूर्ण जिले में कुल 25 खण्डपीठों का गठन किया गया है।

नेशनल लोक अदालत के सफ्ल आयोजन के लिए बीमा कंपनीए बैंकए विद्युत एवं नगरपालिका के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए है। वहीं लोक अदालत का दूरस्थ क्षेत्रों में वृहद स्तर पर प्रचार.प्रसार वाहन द्वारा एवं ग्रामीण स्तर पर पैरालीगल वालेन्टियर्स के माध्यम से किया जा रहा है। इन सभी प्रकार के प्रकरणों का लोक अदालत में होगा।

खंड स्तरीय बैठक में सांसद ने की कार्यों की समीक्षा

मॉडल स्कूल की बाउंड्रीवाल का लोकार्पण

शहडोल, देशबन्धु। जिले के जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत कौआसरई मेंमॉडल स्कूल के नव निर्मित बाउंड्रीवाल का लोकार्पण लोकसभा सांसद सीधी डॉ. राजेश मिश्रा, ब्यौहारी विधायक शरद जुगलाल कोल और जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह के द्वारा किया गया। इस बाउंड्रीवाल का निर्माण खनिज मद लागत से 20 लाख रुपए में किया गया है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत कौआसरई के गौशाला में गौरक्षा पावन पर्व कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार आम जनमानस के कल्याण और विकास कार्यों में लगी हुई है।

सांसद सीधी डॉक्टर राजेश मिश्रा ने जयसिंहनगर जनपद कार्यालय में खंड स्तरीय समीक्षा बैठक भी ली। बैठक का मुख्य एजेंडा आवास सर्वे, बिजली, धरती आबा योजना, स्वास्थ्य विभाग की योजनाएं थी एजेंडा पर विस्तार से चर्चा हुई। इस खंड स्तरीय समीक्षा बैठक में ब्यौहारी विधायक शरद जुगलाल कोल, जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, जयसिंहनगर जनपद अध्यक्ष श्रीमती मालती सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती रक्षा सिब्बू सिंह, एसडीएम प्रगति वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जयसिंहनगर अशोक मरावी, तहसीलदार सुषमा धुर्वे , सांसद प्रतिनिधि सीधी विमलेश मिश्रा, खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र तिवारी, सांसद प्रतिनिधि जयसिंहनगर रावेंद्र शर्मा, जनपद सदस्य रामप्रसाद प्यासी सहित समस्त खण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पन्ना में मिले सात प्रजातियों के गिद्ध, हिमालयन वल्चर के साथ देखी गई दो अन्य प्रजातियां

पन्ना, देशबन्धु। सर्दियों में हिमालयन वल्चर भी यहां प्रवास करते हैं और घोंसले बनाकर प्रजनन करते हैं, लेकिन मार्च में लौट जाते हैं। उत्तर एवं दक्षिण वन मंडल में भी गिद्धों की दो अन्य प्रजातियां पाई गई हैं। डीएफओ गर्वित गंगवांग के अनुसार, पन्ना की प्राकृतिक स्थिति गिद्ध संरक्षण के लिए अनुकूल है।

पन्ना टाइगर रिजर्व बाघों का ही नहीं गिद्धों का भी घर है। यहां के जंगल, पहाड़ आसमान में ऊंची उड़ान भरने वाले गिद्धों को भी खूब भाते हैं। 17, 18 और 19 फरवरी को हुई गिद्धों की गिनती के आंकड़े सामने आ गए हैं। बीते गुरुवार दिनांक 20 फरवरी को उत्तर वन मंडल के डीएफओ गर्वित गंगवांग ने बताया कि पन्ना टाइगर रिजर्व सहित उत्तर एवं दक्षिण वन मंडल में हुई गिद्धों की गणना में सात प्रकार की प्रजाति के गिद्ध पाए गए, इनमें चार प्रजाति के गिद्ध जिनमें किंग वल्चर,लॉन्ग बिल्ड वल्चर, व्हाइट बेक्ड वल्चर तथा इजिप्शियन वल्चर पन्ना टाइगर रिजर्व में अच्छी संख्या में मिलते हैं। वहीं ठंड में प्रवासी हिमालयन वल्चर यहां रुकते हैं और घोसला बनाकर बच्चे भी देते हैं। ठंड का मौसम समाप्त होने पर मार्च महीने में हिमालयन वल्चर चले जाते हैं। डीएफओ गंगवांग बताते हैं कि 2 अन्य प्रजाति के भी गिद्ध यहां पाए गए हैं।

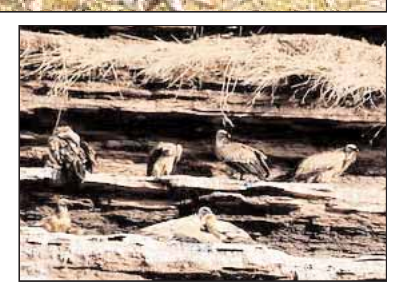

प्रभारी के हवाले मझौली उपखंड के अधिकांश विभागों की कमान

कमीशन व भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ रही नगर एवं ग्राम विकास की राशि

मझौली, देशबन्धु। विगत कुछ वर्षों से सीधी जिले के मझौली उपखंड के अधिकांश विभाग की कमान प्रभारी के हवाले कर दी गई है। जहां नगर व ग्राम विकास की राशि कमीशन खोरी व भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। साथ ही हितग्राही मूलक कार्यों के लिए लोगों को भटकना पड़ रहा है यहां तक की इनकी फरियाद सुनने वाला कोई नहीं मिल रहा है। ऐसा ही ताजा मामला जनपद के इन दोनों जनपद पंचायत कार्यालय में देखने को मिल रहा है जब से मुख्य कार्यपालन अधिकारी मान सिंह शैय्याम का स्थानांतरण मझौली जनपद पंचायत से हुआ है तब से सीईओ के बगले का ताला लगभग दो-तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी नहीं खुल पाया है।

उनके स्थानांतरण के बाद कुछ समय के लिए एस एन द्विवेदी को जनपद की कमान सौपी गई थी जो भले ही यहां निवास नहीं करते थे पर हफ्ते में तीन से चार दिन जरूर कार्यालय में मिल जाया करते थे। जिन्हें भी हटाकर अब जनपद पंचायत की कमान कुसमी के सीईओ ज्ञानेंद्र मिश्रा के हवाले कर दी गई है जो लुक छुप कर कभी-कभार भले ही जनपद आ जाते हो लेकिन लोगों के लिए ऊमर के फूल बने हुए हैं। उनके इस रवैया से लोगों के साथ सरपंच /सचिव का भी भटकाव बना रहता है। बताया जा रहा है कि ऐसे लोगों के ही काम धड़ल्ले से हो रहे हैं जो भारी भरकम कमीशन बाध भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं। इतना ही नहीं बाहर के क्षेत्र के बाहर के पदस्थ अधिकारी कर्मचारी भी जिला में डेरा जमाए कमीशन व वेतन उठा रहे हैं।

कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों के न मिलने से दूर दराज से आए लोग परेशान हो रहे हैं क्योंकि वे बड़ी मुश्किल से किराया भाड़ा खर्च कर दूर दराज से आते हैं। उसके बाद भी जनपद कार्यालय में अधिकारी कर्मचारी समय पर नहीं मिलते। बताते चलें कि श्री शैय्याम के जाने के बाद से स्थाई रुप से सीईओ की पदस्थापना नहीं हुई है। यही कारण है कि जनपद के अधिकारी कर्मचारी सहित पंचायत कर्मी सचिव रोजगार सहायक मनमानी पूर्वक जब मन चाहा कार्यालय जाते हैं अन्यथा इधर-उधर घूमते फिरते नजर आ रहे हैं। अधिकारियों के शाट गांठ कर कमीशन बेस पर भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं।

स्थानांतरण के कई वर्षों बीत जाने के बाद भी नहीं हटा बोर्ड से नाम- मुख्य कार्यपालन अधिकारी मझौली एम एस शैयाम का स्थानांतरण हुए लगभग 2 वर्ष से अधिक हो गया है लेकिन उनका नाम अभी कार्यालय के अपीलीय बोर्ड से नहीं हटाया गया है ना तो नए सीईओ का नाम अंकित किया गया है यहां तक की जनपद कार्यालय की जेस्ट बगल में मुख्यकार्यपालन अधिकारी का निवास क्वार्टर है जिसके गेट एवं रुम में तो ताला लटका ही है पर यहां अंकित नाम भी अभी यस का तस एम् एस शैयाम लिखा हुआ है। बंगला का प्रांगण पूरी तरह से खरपतवार से अच्छा अधिक है। जहां अधिकारियों की नजर तो जा ही नहीं रही है साथ ही जनप्रतिनिधि भी इसे नजर अंदाज कर रखे हैं जिससे अधिकारियों कर्मचारियों के साथ प्रतिनिधियों के कार्य प्रणाली पर भी उंगली उठ रही है।

समय से नहीं पहुंचते अधिकारी कर्मचारी- जनपद कार्यालय में नियमित सीईओ के नहीं होने से यहां तैनात अधिकारी कर्मचारी जो जिले में डेरा डाले हैं मनमानी पूर्वक 12 बजे तक कार्यालय पहुंचते हैं तथा शाम चार बजे से पहले ही रवाना हो जाते हैं। यहां तक की मुख्य कार्यपालन अधिकारी के न होने से अन्य अधिकारी कर्मचारी जो जिले में निवास बनाए हुए हैं हफ्ते में दो-तीन दिन ही कार्यालय पहुंच रहे हैं।

एसडीओ भी कर रही जिले से आवागमन-ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा विभाग की एसडीओ सरिता सिंह भी जिले में रहकर आपनी ड्यूटी पका रही हैं जिस कारण निर्माण कार्यों की देख देख सही ढंग से नहीं हो पा रही इनके अनुपस्थिति के कारण उपयंत्री भी कमरे में बैठे कमीशन और वेतन उठा रहे हैं। शायद इसी लापरवाही और मनमानी के कारण लाखों के लागत से निर्माण कराए गए चेक डैम धराशाही हो चुके हैं।